खाटू में ही जीना है | by Ruchi Kinkar

किस बात का ग़म मुझको किस बात का रोना है
बाबा मेरे चांदी हैं बाबा मेरे सोना हैं

एक तेरे इशारे पर हम दौड़े चले आएं
ये प्यार सलोना है जादू है ना टोना है

द्वारे का भिखारी हूँ दुनिया से है क्या लेना
ये चौखट मेरी तकिया है कदमो में बिछोना है

इतनी तो महर कर दे किंकर की तमन्ना है
इतनी तो महर कर दे हम सब की तमन्ना है
खाटू में ही जीना है खाटू में ही मरना है

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%96%e0%a4%be%e0%a4%9f%e0%a5%82-%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%82-%e0%a4%b9%e0%a5%80-%e0%a4%9c%e0%a5%80%e0%a4%a8%e0%a4%be-%e0%a4%b9%e0%a5%88-by-ruchi-kinkar/